# सूर्यसहस्रनामावली

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

# सूर्यसहस्त्रनामावली

प्रकाशक :-

प्रेमनाथ शास्त्री

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

मूल्य : 15 रु०

लक्ष्मी प्रिंटिंग वर्कस
लाल कुआं, देहली-6

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

# पुष्पार्चन

इष्टदेव को सन्तुष्ट करने, मानसिक शान्ति, तथा हर मनोकामना सिद्धि के लिए पुष्पार्चन एक सरल तथा सुगम मार्ग है, हम जब भी चाहें- हर एक व्रत महोत्सव, पर्व अथवा जन्म दिन आदि पर जब हम कोई महान् यज्ञ करने में असमर्थ हूँ तो अवश्य पुष्पार्चन रूपी यज्ञ का प्रोग्राम बनायें।

विष्णु भगवान् ने शंकर भगवान् को सन्तुष्ट कराने के लिए **"सहस्रपुष्पार्चन्"** किया परन्तु अन्त में हजार पुष्प में एक कम होने पर भक्ति के आवेश में अपना नेत्रकमल हजारवें पुष्प के रूप में अर्पण किया, जिस के फलस्वरूप विष्णु को भगवान् शंकर से सुदर्शनचक्र प्राप्त हुआ।

पुष्पदन्ताचार्य ने फूल न मिलने पर फूलों के स्थान पर अपने 32 दांत पुष्पार्चन के रूप में अर्पण करते हुये महिम्नस्तोत्र के 32 श्लोकों का उच्चारण किया, भगवद्गीता में भगवान् कहते हैं **"पत्रं पुष्पं फलं तोयं"** इन प्रमाणों से स्पष्ट है पुष्पार्चन का पूजा विधान भारतीय पूजा क्रम में प्राचीन काल से प्रचलित है।

# सस्त्रपुष्पार्चन विधिः-

इस पूजा में इष्ट देवता के सहस्त्रनाम के साथ आरम्भ में "ॐ" और अन्त में **"नमः"** जोड़कर एक-एक नाम से इष्टदेव पर पुष्प चढ़ाया जाता है, इस पूजा के लिये पुष्प पर्याप्तमात्रा में होने चाहिये (पुष्प की पत्तियाँ अलग अलग करके पूजा में प्रयोग न करें, फूल ख़ण्डित ना हो) पुष्पार्चन के लिये किसी कमरे में स्वच्छ आसन बिछायें, जहाँ सभी भक्तजन सामूहिक रूप से पूजा में सम्मिलित हो सकें, जो पूजा का मुख्यकर्त्ता अथवा यजमान होगा उसको चाहिये पद्मासन में बैठकर अपने सामने इष्टदेव की मूर्ति उस ढंग से रखे ताकि आप को फूल अर्पण करने में कोई रुकावट न पड़े पूजा के आरम्भ पर रत्नदीप तथा धूप आदि जलाकर इष्टदेव की मूर्ति को तिलक लगाकर फूलों की मालाओं से सजाइये, पहले आप (यजमान) धूपदीप करे जो इसी पुस्तक में अलग दर्ज है, पूजा में सम्मिलित होने वालों में से जो सहस्त्रनामावली का उच्चारण कर सके एक एक नाम के

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

आरम्भ में "ॐ" और अन्त में "नमः" जोड़कर इष्टदेवता पर फूल चढ़ायें जैसे **ॐ महाविद्यायैः नमः, ॐ जगत् मात्रेः नमः "ॐ नारायणाय नमः" ॐ शिवाय नमः"** जो भक्तजन पूजा में सम्मिलित होंगे वे भी हरनाम के साथ "नमः" का सामूहिक रूप से उच्चारण किया करें। **यज्ञ में स्वाहा, पुष्पार्चन में नमः** का प्रयोग होता है।

हर 100 वीं पुष्पांजलि अर्पण करने के समय इष्टदेव का वैदिक मन्त्र अवश्य पढें जो इसी पुस्तक में दर्ज है।

हजारवीं पुष्पाँजलि डालते समय सभी भक्त खड़े होकर वैदिकमन्त्र और इष्टदेव का कोई श्लोक पढ़कर अन्तिम पुष्पांजलि श्रद्धा से अर्पण करके तर्पण करें–जैसा कि पूजाविधि में दर्ज है आरती आदि करके प्रप्युन करके प्रसाद बाटें।

# धूपदीप विधिः

पूजा के लिये रखे गये निर्माल्य के पात्र में जल की धारा डालते हुये पढें :– **ॐ अस्य श्री–आसन–शोधन–मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ–ऋषिः सुतलं छन्दः, कूर्मो देवता–आसन–शोधने विनियोगः।**

पृथ्वी माता को नमस्कार करते हुए पढें :–**पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता। त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरू चासनम्।**

आसन के रूप में पृथ्वी माता को दर्भ अथवा फूल अर्पण करते हुये पढें :– **ध्रुवा द्यौर्–ध्रुवा–पृथ्वी, ध्रवासः पर्वता इमे। ध्रुवं विश्वम्–इदं जगत् ध्रुवो राजा विशाम्–असि।** तिलक–फूल–अर्घ्य चढाते हुये पढें :– **प्रीं पृथिव्यै आधारशक्त्यै समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः।** नमस्कार करते हुए पढें :– **शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्। प्रसन्न–वदनं ध्याये सर्व–विघ्नोप–शान्तये। अभि–प्रीतार्थ–सिद्धचर्थं पूजितो यः सैरैर्–अपि। सर्व विघ्नच्छिदे तस्मै गणाधि–पतये नमः।**

**गुरुः–ब्रह्मा, गुरुः–विष्णुः गुरुः–साक्षात्–महेश्वरः। गुरुर्–एव जगत्सर्वं तस्मै श्री गुरु–वे नमः।। ॐ गुरवे नमः, परम गुरवे**

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

**नमः, पर-मेष्ठिने गुरवे नमः, परमा-चार्याय नमः आदि सिद्धिभ्यो नमः**

अंग न्यास-कीजिये अंगन्यास करके चारों दिशाओं की ओर तिल फँकते हुये पढें:-

**अपसर्पन्तु ते भूता ये भूता भुवि संस्थिता, ये भूता विघ्नकर्तारः-ते नश्यन्तु शिवाज्ञया।।**

प्राणायाम कीजिये, प्राणायाम करके मुँह और पैरों को छिडकते हुये पढें :-

**तीर्थे स्नेयं तीर्थम्-एव समानानां भवति मानः, शंस्योर्-अर-रुषो धूर्तिः प्राणङ्-मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते।**

अनामिका अंगुली के ऊपर वाले पर्व पर पवित्र-धारण करते हुये पढें :-

**वसोः पवित्रम्-असि शतधारं वसूनां पवित्रम्-असि, सहस्त्र-धारम्-अयक्ष्मा वः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्तीः।** जंग चावल आदि लाकर तिलक करना

अपने आपको तिलक अक्षत धूप चढ़ाते हुये पढें :-

**परमात्मने पुरु-षोत्तमाय पंचभूतात्मकाय विश्वात्मने मन्त्रनाथाय आधार-शक्त्यै समाल-भनं गन्धो नमः-अर्घो नमः पुष्पं नमः।**

चोंग (धीप) को तिलक अक्षत फूल चढाते हुये पढें :-

**"स्वप्रकाशो-महादीपः सर्वत-स्तिमिरा-पहः। प्रसीद नम गोविन्द दीपोयं प्रतिकल्पितः। भो दीप देव-रूवपस्त्वं कर्म-समाप्तिः याक्त् स्यात्-तावत् त्वं स्थिरो भव।**

सूर्यदेवता के निमित्त निर्माल्यपात्र में तिलक अक्षत फूल डालते हुये पढें :-

**यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुः-भ्रतापि नो यत्र सुहृत्-जनश्च न ज्ञायते यत्र दिनं न रात्रिः-तत्रात्म-दीपं शरणं प्रपद्ये। आत्मने नारायणाय आधार-शक्त्यै दीप-धूप-संकल्पात्-सिद्धिर-अस्तु दीपो नमः धूपो नमः। ॐ तत्-सत्-ब्रह्म अद्यतावत्-तिथौ-अद्य .... मासस्य ..... पक्षस्य तिथौ ..... वासरे दीपोनमः धूपोनमः।**

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

# सूर्यसहस्त्रनाम स्वाहाकार पूजन विधिः

अग्नि में फूल डालते हुये पढें :-

श्रीदेव-उवाचः-श्रृणु देवि प्रवक्ष्यामि सूर्य-नामसहस्त्रकम् यस्य तु पाठ-मात्रेण सर्वे नश्यन्ति चामयाः।

तर्पण करते हुये पढेः- अस्य श्री सूर्य-सहस्त्र-नाम मन्त्रस्य बह्मा ऋषिः, गायत्री छन्दः, सूर्यो देवता, ह्रां बीजं, ह्रीं शक्तिः सः कीलकं आत्मनो-वांगमनः कायोपार्जित-पापनिवारणार्थं होमे पुष्पार्चने विनियोगः (अगन्यासः) ॐ ह्रां हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ ह्रूँ शिखायै वषद् ॐ ह्रैं कवचाय हुँ ॐ नेत्राभ्यां वौषट् ॐ ह्रूः अस्त्राय फट्, (करन्यासः) ॐ ह्रां अगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ ह्रूं मध्यमाभ्यां नमः ॐ ह्रैं अनामिकाभ्यां नमः ॐ ह्रों कनिष्ठकाम्यां नमः ॐ ह्रूः करतल-करपृष्ठाभ्यां नमः।

प्राणायाम करके हाथ में फूल लेकर पढ़िये (ध्यान)

प्रत्यक्ष-देवं विशदं सहस्त्र-मरीचिभिः शोभित-भूमि-देशम्। सप्ताश्वगं सत्-ध्वज हस्तम्-आद्यं, देवं भजेहं मिहिरं हृदब्जे।

आहुति डालिये :

(1) भास्कराय विद्महे स्वाहा, सहस्त्र-रश्मये धीमहि स्वाहा, तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् स्वाहा

(2) भास्कराय विद्महे, सहस्त्ररश्मये धीमहि स्वाहा, तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् स्वहा।

(3) भास्करायविद्महे सहस्त्र रश्मये धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् स्वाहा।

अब सावधानी से दोनों आहुति डालने वाला और यजमान एक एक नाम से प्रज्वलित अग्नि में आहुति डालें। हर एक नाम के आरम्भ में 'ॐ' और अन्त में नमः शब्द का उच्चारण करें। ऐसे ही क्रमशः 100वी, 200वीं, 300वीं आहुति डालने से

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

पूर्व 'स्रुक' (जिस में एक रन्ध्र होता है) से 'स्रुव' को घी से चार बार स्पर्श करते हुये पढ़ें 'तेजोसि शुक्रमसि ज्योतिरसि धमासि' पहले निचले रन्ध्र को फिर दो बार ऊपर के रन्ध्र को, फिर स्रुव के निचले रन्ध्र को एक बार स्पर्श करके, स्रुव पर श्रीफल, कन्द या अखरोट रखकर यवतिल की भी अंजलि हाथ में लेकर वैदिक मन्त्र जो कि इसी पुस्तक में स्तुति के रूप में दर्ज है हर 100वें नाम की आहुति डालें। अन्तिम यानी 999 वी आहुति तक अग्नि में आहुति डालकर अन्त में फूल अग्नि में डालते हुये पढ़ें :-

यः पठेत् प्रातर्-उत्थाय भक्त्या नामसहस्त्रम-इदं नरः। सौरव्यम्-आयुः-तथा-आरोग्यं लभते-मोक्षम्- एवच। आदित्यस्य नमस्कारं ये कुर्वन्ति दिने दिने जन्मान्तर-सहस्त्रेषु दारिद्रयं नोपजायते।। नमो धर्म निधानाय नमः सुकृत-साक्षिणे नमः प्रत्यक्षदेवाय भास्कराय नमोनमः, उदयन् तु महाभानुः-तेजसा चाभयंकरः, सहस्त्र-रश्मि दीप्तश्वः-त्वादित्यः प्रीयतां मम।

तर्पण :-

अनेन श्रीसूर्यसहस्त्र-नाम स्वाहाकार-होमेन भगवान् ह्राँ ह्रीं सः सूर्यः, सप्ताश्वः अनश्वः एकाश्वः नीलाश्वः प्रत्यक्षदेवः परमार्थसारः तेजोरूपः प्रभासहितः आदित्यः प्रीयतां प्रीतोस्तु।

## सूर्यास्तुतिः

ध्येयः सदा सवितृ-मण्डल-मध्यवर्ती,नारायणः सरिसिजा-सन-सन्निविष्टः।केयूरवान्-कनक-कुण्डलवान-किरीटी, हारी हिरण्य-वपु-धृर्त-शंख-चक्रः।नमोस्तु सूर्याय सहस्त्र-रश्मये,सहस्त्र-शाखान्वित-सम्भवात्मने/ सहस्त्र-योगोत्-भव-भूति-भागिने, सहस्त्र-संख्या-युगधारिणे नमः।यनमण्डलं दीप्तिकरं विशालं, तरत्नप्रभं तीव्रम्-अनादि-रूपम्/ दारिद्रय-दुःखक्षय-कारणं च, पुनातु मां

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

तत्-सवितु-वरेण्यम्। यन्-मण्डलं देवगणैः सुपूजितं, ब्रह्मर्षि-देवर्षि-नृपर्षि-भावितम्, तं देव-देवं प्रणमामि सूर्यं, पुनातु मां तत्-सवितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं ज्ञान-घनं त्वगम्यं, त्रैलोक्य-पूज्यं त्रिगुणात्मरूपम्, समस्त-तेजोमय-दिव्य-रूपं, पुनातु मां तत्स-वितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं गूढम्-अति-प्रबोधं, धर्मस्य वृद्धिं कुरुते जनानाम्, यत्-सर्व-पाप-क्षय-कारणं च, पुनातु मां तत् सवितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं व्याधि-विनाशदक्षं यत्-ऋक-यजुः सामसु संप्रगीतम्, प्रकाशितं येन च भूर्भुवः स्वः, पुनातु मां तत्सवितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं वेदविदो वदन्ति, गायान्ति यत्-चारण-सिद्ध-संघाः। यत्-योगिनो व्योम-रथस्थ-सिद्धाः, पुनातु मां तत्-सवितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं सर्वजनेषु पुजितं, ज्योतिश्च कुर्यात्-इह मर्त्यलोके, यत्-काल-कालाद्यम्-अनादि-रूपं, पुनातु मां तत्सवितु-वरेण्यम्। यन्मण्डलं विदेविदो वदन्ति गायन्ति यत् सिद्धगणा गुहासु, सन्ध्या विद्यौ बह्मविदः स्मरन्ति, पुनातु मां तत्-सवितु-वरेण्यम

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ ह्रां ह्रीं सः सूर्याय स्वा॰
ॐ भगवते स्वाहा
ॐ सर्वलोकेशाय स्वाहा
ॐ भूतेशाय स्वाहा
ॐ भूतभावनाय स्वाहा
ॐ भूतात्मने स्वाहा
ॐ सृष्टिकर्त्रे स्वाहा
ॐ सृष्टिहर्त्रे स्वाहा
ॐ जगत्पतये स्वाहा
ॐ आदित्याय स्वाहा
ॐ वरप्रदाय स्वाहा
ॐ वीराय स्वाहा
ॐ वीरलाय स्वाहा
ॐ विश्वदीप्ताय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ विश्वकृते स्वाहा

ॐ विश्वहृते स्वाहा
ॐ भक्ताये स्वाहा
ॐ भोक्त्रे स्वाहा
ॐ भीमाय स्वाहा
ॐ भयापहाय स्वाहा
ॐ विश्वात्मने स्वाहा
ॐ पुरुषाय स्वाहा
ॐ साक्षिणे स्वाहा
ॐ परंब्रह्मणे स्वाहा
ॐ परमात्मने स्वाहा
ॐ विश्वयोनये स्वाहा
ॐ विश्वेशाय स्वाहा
ॐ विश्वतोमुखाय स्वाहा
ॐ कामिने स्वाहा
ॐ योगिने स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ महाबुद्धये स्वाहा
ॐ महसे स्वाहा
ॐ मनवे स्वाहा
ॐ अव्ययाय स्वाहा
ॐ प्रजापतये स्वाहा
ॐ विश्ववन्द्याय स्वाहा
ॐ वन्दिताय स्वाहा
ॐ भुवनेश्वराय स्वाहा
ॐ भूतभव्यभविष्यात्मने स्वा॰
ॐ तत्त्वात्मने स्वाहा
ॐ ज्ञानवते स्वाहा
ॐ गुणिने स्वाहा
ॐ सात्विकाय स्वाहा
ॐ राजसाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ तामसाय स्वाहा

ॐ तपस्विने स्वाहा
ॐ करुणानिधये स्वाहा
ॐ सहस्त्रकिरणाय स्वाहा
ॐ भास्वते स्वाहा
ॐ भर्गवाय स्वाहा
ॐ भृगवे स्वाहा
ॐ ईश्वराय स्वाहा
ॐ निर्गुणाय स्वाहा
ॐ निर्दयाय स्वाहा
ॐ नित्याय स्वाहा
ॐ नित्यानन्दाय स्वाहा
ॐ निराश्रयाय स्वाहा
ॐ तपस्विने स्वाहा
ॐ कालकृते स्वाहा
ॐ कालाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ कामनीयतनवे स्वाहा
ॐ कृशाय स्वाहा
ॐ दुर्दर्शाय स्वाहा
ॐ सुदर्शनाय स्वाहा
ॐ दाशार्हाय स्वाहा
ॐ दीनबन्धवे स्वाहा
ॐ दयाकराय स्वाहा
ॐ द्विभुजाय स्वाहा
ॐ अष्टभुजाय स्वाहा
ॐ धीराय स्वाहा
ॐ दशबाहवे स्वाहा
ॐ दशातिगाय स्वाहा
ॐ दशांशफळदाय स्वाहा
ॐ विष्णवे स्वाहा
ॐ जिगीषवे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ जयविज्जयिने स्वाहा
ॐ जटिलाय स्वाहा
ॐ निर्मायाय स्वाहा
ॐ भानवे स्वाहा
ॐ पद्महस्ताय स्वाहा
ॐ कुशीरकाय स्वाहा
ॐ समाहितगतये स्वाहा
ॐ धात्रे स्वाहा
ॐ विधात्रे स्वाहा
ॐ कृतमङ्गलाय स्वाहा
ॐ मार्तण्डाय स्वाहा
ॐ लोकभृते स्वाहा
ॐ त्रात्रे स्वाहा
ॐ रुद्राय स्वाहा
ॐ भद्रप्रदाय स्वाहा

CC-0.Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ प्रभवे स्वाहा
ॐ अरातिशमनाय स्वाहा
ॐ शान्ताय स्वाहा
ॐ शङ्कराय स्वाहा
ॐ कमलासनाय स्वाहा
ॐ अचिन्त्यवपुषे स्वाहा
ॐ श्रेष्ठाय स्वाहा
ॐ महाचीनक्रमेश्वराय स्वाहा
ॐ महार्तिदमनाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ दान्ताय स्वाहा[१००]

ॐ महामोहहराय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ हरये स्वाहा
ॐ नियतात्मने स्वाहा
ॐ कालेशाय स्वाहा
ॐ दिनेशाय स्वाहा
ॐ भक्तवत्सलाय स्वाहा
ॐ कल्याणकारिणे स्वाहा
ॐ कामदाय स्वाहा
ॐ र्कशाय स्वाहा
ॐ कामवल्लभाय स्वाहा
ॐ सामगाय स्वाहा
ॐ पञ्चमाय स्वाहा
ॐ द्रव्याय स्वाहा
ॐ ध्रुवाय स्वाहा
ॐ दीनजनप्रियाय स्वाहा
ॐ त्रिजटाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ रक्तवाससे स्वाहा
ॐ रक्तवाहनाय स्वाहा
ॐ रतिप्रियाय स्वाहा
ॐ कालयोगिने स्वाहा
ॐ महानादाय स्वाहा
ॐ निश्चलाय स्वाहा
ॐ अदृश्यरूपधृते स्वाहा
ॐ गम्भीरघोषाय स्वाहा
ॐ निर्घोषाय स्वाहा
ॐ घटहस्ताय स्वाहा
ॐ महामायाय स्वाहा
ॐ रक्ताम्बरधराय स्वाहा
ॐ रक्ताय स्वाहा
ॐ रक्तमाल्याय स्वाहा
ॐ अनुलेपनाय स्वाहा

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ॐ सहस्त्रहस्ताय स्वाहा
ॐ विजयाय स्वाहा
ॐ हरिगामिने स्वाहा
ॐ हरीश्वराय स्वाहा
ॐ मुण्डाय स्वाहा
ॐ कुण्डिने स्वाहा
ॐ भुजङ्गेशाय स्वाहा
ॐ रथिने स्वाहा
ॐ सुरथपूजिताय स्वाहा
ॐ न्यग्रोधवासिने स्वाहा
ॐ न्यग्रोधाय स्वाहा
ॐ वृक्षकर्णाय स्वाहा
ॐ ऊरून्धराय स्वाहा
ॐ शिखिने स्वाहा
ॐ दण्डिने स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ जटिने स्वाहा
ॐ ज्वालिने स्वाहा
ॐ ज्वालाय स्वाहा
ॐ तेजोमयाय स्वाहा
ॐ विभवे स्वाहा
ॐ हेमाय स्वाहा
ॐ हेमकराय स्वाहा
ॐ हारिणे स्वाहा
ॐ हरिद्रत्ला्सनस्थिताय स्वाहा
ॐ हरिदश्वाय स्वाहा
ॐ जगद्वासिने स्वाहा
ॐ जगतांपत्तये स्वाहा
ॐ इङ्गलाय स्वाहा
ॐ विरोचनाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ विलासिने स्वाहा

ॐ विरूपाक्षाय स्वाहा
ॐ विकर्तनाय स्वाहा
ॐ विनायकाय स्वाहा
ॐ विभासाय स्वाहा
ॐ भासाय स्वाहा
ॐ भासांपतये स्वाहा
ॐ पतये स्वाहा
ॐ मतिमते स्वाहा
ॐ रतिमते स्वाहा
ॐ शोभनाक्षाय स्वाहा
ॐ विशालाक्षाय स्वाहा
ॐ विशांपतये स्वाहा
ॐ बालरूपाय स्वाहा
ॐ गिरिचराय स्वाहा
ॐ गीर्पतये स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ गोमतीपतये स्वाहा
ॐ गङ्गाधराय स्वाहा
ॐ गणाध्यक्षाय स्वाहा
ॐ गणसेव्याय स्वाहा
ॐ गणेश्वराय स्वाहा
ॐ गिरीशतनयाऽवासिने स्वाहा
ॐ सर्ववासिने स्वाहा
ॐ सतीप्रियाय स्वाहा
ॐ सत्यात्मकाय स्वाहा
ॐ सत्यधराय स्वाहा
ॐ सत्यसन्धाय स्वाहा
ॐ सहस्त्रगवे स्वाहा
ॐ अपारमहिम्ने स्वाहा
ॐ प्रजापतये स्वाहा
ॐ मुक्तये स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Varanasi. Digitized by eGangotri

ॐ मक्तिदाय स्वाहा

ॐ मोक्षदायकाय स्वाहा

ॐ अमूर्तिमते स्वाहा

ॐ दुर्दराय स्वाहा

ॐ मूर्ताय स्वाहा

ॐ तुटिरूपाय स्वाहा

ॐ लबात्मकाय स्वाहा

ॐ प्राणेशाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ व्यानाय स्वाहा[२००]

ॐ अपानाय स्वाहा

ॐ समानाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ उदानरूपवते स्वाहा
ॐ पक्षाय स्वाहा
ॐ मासाय स्वाहा
ॐ ऋतवे स्वाहा
ॐ वर्षाय स्वाहा
ॐ दिनेकालेश्वरेश्वराय स्वा॰
ॐ अयनाय स्वाहा
ॐ युगरूपाय स्वाहा
ॐ कृतिने स्वाहा
ॐ त्रेतायुगाय स्वाहा
ॐ त्रिपादे स्वाहा
ॐ द्वापराय स्वाहा
ॐ कलियुगाय स्वाहा
ॐ कालाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ कालात्मने स्वाहा

ॐ कलिनाशनाय स्वाहा
ॐ मन्वन्तरात्मकाय स्वाहा
ॐ देवाय स्वाहा
ॐ चक्राय स्वाहा
ॐ त्रिभुवनेश्वराय स्वाहा
ॐ वासवाय स्वाहा
ॐ अग्नये स्वाहा
ॐ यमाय स्वाहा
ॐ रक्षसे स्वाहा
ॐ वरुणाय स्वाहा
ॐ यादसांपतये स्वाहा
ॐ वायवे स्वाहा
ॐ वैश्रवणाय स्वाहा
ॐ शैवाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ गिरिशाय स्वाहा

ॐ जलजासनाय स्वाहा
ॐ अनन्ताय स्वाहा
ॐ अनन्तमहिम्ने स्वाहा
ॐ परमेष्ठिने स्वाहा
ॐ गतज्वराय स्वाहा
ॐ कल्पान्तकालाग्नये स्वा॰
ॐ क्रूराय स्वाहा
ॐ कालाय स्वाहा
ॐ दावाग्नये स्वाहा
ॐ कालसदनाय स्वाहा
ॐ महाप्रलयेकृतिने स्वाहा
ॐ कृताय स्वाहा
ॐ कृत्याशिने स्वाहा
ॐ युगवर्तनाय स्वाहा
ॐ कालवर्तनाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ युगधराय स्वाहा
ॐ युगादये स्वाहा
ॐ शर्वरीश्वराय स्वाहा
ॐ आकाशनिधिरूपाय स्वाहा
ॐ सर्वकालप्रवर्तकाय स्वाहा
ॐ अचिन्त्याय स्वाहा
ॐ सुबलाय स्वाहा
ॐ बालिकावल्लभाय स्वाहा
ॐ वराय स्वाहा
ॐ वरदाय स्वाहा
ॐ वीर्यदाय स्वाहा
ॐ वाग्मिने स्वाहा
ॐ वाक्पतये स्वाहा
ॐ वाग्विलासकाय स्वाहा
ॐ साङ्ख्येश्वराय स्वाहा

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ वेदरम्याय स्वाहा
ॐ मन्त्रेशाय स्वाहा
ॐ तन्त्रनायकाय स्वाहा
ॐ कुलाचारपराय स्वाहा
ॐ नुत्याय स्वाहा
ॐ स्तुतितुष्टाय स्वाहा
ॐ नतिप्रियाय स्वाहा
ॐ आलसाय स्वाहा
ॐ तुलसीसेव्याय स्वाहा
ॐ तुष्टाय स्वाहा
ॐ रोगनिवर्हणाय स्वाहा
ॐ प्रस्कन्दनाय स्वाहा
ॐ विभागाय स्वाहा
ॐ नीरगाय स्वाहा
ॐ दशदिक्पतये स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ वैराग्याय स्वाहा
ॐ विमानस्थाय स्वाहा
ॐ रक्तकुम्भधराय स्वाहा
ॐ आयुधाय स्वाहा
ॐ महापादाय स्वाहा
ॐ महाहस्ताय स्वाहा
ॐ महाकायाय स्वाहा
ॐ महाशयाय स्वाहा
ॐ ऋग्यजुषे स्वाहा
ॐ सामरूपाय स्वाहा
ॐ त्वष्ट्रे स्वाहा
ॐ अथर्वधामशाखिळाय स्वाहा
ॐ सहस्त्रशाखिने स्वाहा
ॐ सदऽसते स्वाहा
ॐ व्यक्ताय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ महाकल्पप्रियाय स्वाहा
ॐ पुंसे स्वाहा
ॐ कलावृक्षाय स्वाहा
ॐ मन्दिराय स्वाहा
ॐ मन्दराचलशोभनाय स्वाहा
ॐ मेरवे स्वाहा
ॐ हिमालयाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ मालिने स्वाहा[३००]

ॐ मलयाय स्वाहा
ॐ मालयद्रुमाय स्वाहा
ॐ सन्तानाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ कुसुमच्छिन्नाय स्वाहा
ॐ सन्तानफलदाय स्वाहा
ॐ विराजे स्वाहा
ॐ क्षीराम्भोधये स्वाहा
ॐ घृताम्भोधये स्वाहा
ॐ जलधये स्वाहा
ॐ क्लेशनाशनाय स्वाहा
ॐ रत्नाकराय स्वाहा
ॐ महामान्याय स्वाहा
ॐ वेणवे स्वाहा
ॐ वीणाधराय स्वाहा
ॐ वणिजे स्वाहा
ॐ वसन्ताय स्वाहा
ॐ सरसामऽन्ताय स्वाहा
ॐ ग्रीष्माय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ कल्मषनाशनाय स्वाहा
ॐ वर्षाकालाय स्वाहा
ॐ वर्षपतये स्वाहा
ॐ शरदम्भोज़वल्लभाय स्वाहा
ॐ हेमन्ताय स्वाहा
ॐ हेमकेयूराय स्वाहा
ॐ शिशिराय स्वाहा
ॐ शिशुवीर्यदाय स्वाहा
ॐ सुमतये स्वाहा
ॐ सुगतये स्वाहा
ॐ साधवे स्वाहा
ॐ विष्णवे स्वाहा
ॐ सस्वराय स्वाहा
ॐ अम्बिकासुताय स्वाहा
ॐ सारग्रीवाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ महाराजाय स्वाहा
ॐ सानन्दाय स्वाहा
ॐ नन्दिसेविताय स्वाहा
ॐ सुमेरुशिखरवासिने स्वाहा
ॐ सप्तपातालगोचराय स्वाहा
ॐ आकाशचारिणे स्वाहा
ॐ नित्यात्मने स्वाहा
ॐ विभवे स्वाहा
ॐ विजयप्रदाय स्वाहा
ॐ कुलकान्ताय स्वाहा
ॐ कुलाद्रीशाय स्वाहा
ॐ विनयाय स्वाहा
ॐ विजयिने स्वाहा
ॐ नियताय स्वाहा
ॐ विश्वम्भराय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ वियच्चारिणे स्वाहा
ॐ वियद्रूपाय स्वाहा
ॐ वियद्रथाय स्वाहा
ॐ सुरथाय स्वाहा
ॐ सुगतये स्वाहा
ॐ स्तुत्याय स्वाहा
ॐ वेणुवादनतत्पराय स्वाहा
ॐ गोपालाय स्वाहा
ॐ गोपतये स्वाहा
ॐ गोप्त्रे स्वाहा
ॐ प्रतिष्ठायै स्वाहा
ॐ प्रजापतये स्वाहा
ॐ आवेदनीयाय स्वाहा
ॐ वेदाक्षाय स्वाहा
ॐ महादिव्यवपुषे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ सुराजे स्वाहा
ॐ निर्जीवाय स्वाहा
ॐ जीवनाय स्वाहा
ॐ मन्त्रिणे स्वाहा
ॐ महार्णवाय स्वाहा
ॐ निनादभृते स्वाहा
ॐ वासनाय स्वाहा
ॐ आवर्तनाय स्वाहा
ॐ नित्याय स्वाहा
ॐ सर्वनाम्ने स्वाहा
ॐ प्रभवे स्वाहा
ॐ स्वधिये स्वाहा
ॐ न्यायनिर्वापणाय स्वाहा
ॐ शूलिने स्वाहा
ॐ कपालिने स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ पद्ममध्यगाय स्वाहा
ॐ त्रिकोणनिलयाय स्वाहा
ॐ देवदेवाय स्वाहा
ॐ बिन्दुमण्डलमध्यगाय स्वाहा
ॐ बहुमालाय स्वाहा
ॐ महामालाय स्वाहा
ॐ दिव्यमालाधराय स्वाहा
ॐ अजपाय स्वाहा
ॐ जपाकुसुमसङ्काशाय स्वाहा
ॐ जपपूजाफलप्रदाय स्वाहा
ॐ सहस्त्रमूर्ध्ने स्वाहा
ॐ देवेन्द्राय स्वाहा
ॐ सहस्त्रनयनाय स्वाहा
ॐ रवये स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ सर्वतत्त्वाश्रयाय स्वाहा

ॐ ब्रध्नाय स्वाहा

ॐ वीरवन्द्याय स्वाहा

ॐ विभावसवे स्वाहा

ॐ विश्वावसवे स्वाहा

ॐ वसुपतये स्वाहा

ॐ वसुनाथाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ विसर्गवते स्वाहा[४००]

ॐ आदये स्वाहा

ॐ आदित्यलोकेशाय स्वाहा

ॐ सर्वगामिने स्वाहा

ॐ कलाश्रयाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ भोगीन्द्रशय्याय स्वाहा
ॐ देवदेवेन्द्राय स्वाहा
ॐ नरेन्द्राय स्वाहा
ॐ हव्यवाहनाय स्वाहा
ॐ विद्याधराय स्वाहा
ॐ विद्येशाय स्वाहा
ॐ यक्षेशाय स्वाहा
ॐ रक्षणाय स्वाहा
ॐ गुरवे स्वाहा
ॐ रक्षायै स्वाहा
ॐ कुब्जैकवरदाय स्वाहा
ॐ गन्धर्व्वकुलपूजिताय स्वाहा
ॐ अप्सरोवन्दिताय स्वाहा
ॐ जयाय स्वाहा
ॐ जैत्रे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ दैत्यनिवर्हणाय स्वाहा
ॐ गुह्यकेशाय स्वाहा
ॐ पिशाचाय स्वाहा
ॐ किन्नरपूजिताय स्वाहा
ॐ कुलजाय स्वाहा
ॐ सिद्धसेव्याय स्वाहा
ॐ समाम्नायाय स्वाहा
ॐ साधुसेव्याय स्वाहा
ॐ सरित्पतये स्वाहा
ॐ ललाटाक्षाय स्वाहा
ॐ विश्वदेवाय स्वाहा
ॐ नियमाय स्वाहा
ॐ नियमेन्द्रियाय स्वाहा
ॐ अर्काय स्वाहा
ॐ अर्ककान्तिाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ रत्नेशाय स्वाहा
ॐ अनन्तबाहवे स्वाहा
ॐ लेपकाय स्वाहा
ॐ अलिपात्रधराय स्वाहा
ॐ अङ्गनाय स्वाहा
ॐ अम्बरेशाय स्वाहा
ॐ अम्बेरशयाय स्वाहा
ॐ अकाराय स्वाहा
ॐ मातृकानाथाय स्वाहा
ॐ आदिदेवनाम्ने स्वाहा
ॐ देवानामादये स्वाहा
ॐ आकृतिने स्वाहा
ॐ आरोग्यकारिणे स्वाहा
ॐ आनन्दविग्रहाय स्वाहा
ॐ ग्रहाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ आलोककृते स्वाहा
ॐ आदित्याय स्वाहा
ॐ वीराय स्वाहा
ॐ अदितिप्राणाधिकाय स्वाहा
ॐ आकाशरूपाय स्वाहा
ॐ स्वाकाराय स्वाहा
ॐ इन्द्रादिस्वरपूजिताय स्वाहा
ॐ इन्दिरापूजिताय स्वाहा
ॐ इन्दवे स्वाहा
ॐ इन्द्राय स्वाहा
ॐ लोकत्रयाश्रयाय स्वाहा
ॐ इनाय स्वाहा
ॐ ईशानाय स्वाहा
ॐ चन्द्राय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ ईशाय स्वाहा

ॐ ईशानवल्लभाय स्वाहा
ॐ उन्नतास्याय स्वाहा
ॐ उन्नतवपुषे स्वाहा
ॐ उन्नताङ्घ्रिचराय स्वाहा
ॐ गुरवे स्वाहा
ॐ उत्पलाय स्वाहा
ॐ उच्चलत्केशवते स्वाहा
ॐ उच्चैर्हयाय स्वाहा
ॐ गतये स्वाहा
ॐ सुखिने स्वाहा
ॐ उकाराय स्वाहा
ॐ अकारसुखिताय स्वाहा
ॐ ऊष्माय स्वाहा
ॐ निधिभूषणाय स्वाहा
ॐ अनूरुसारथिने स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ उष्णभानवे स्वाहा

ॐ ऊकारवल्लभाय स्वाहा

ॐ ऋणहस्ताय स्वाहा

ॐ ऋलिहस्ताय स्वाहा

ॐ ऋऋभूषणाय स्वाहा

ॐ भूषिताय स्वाहा

ॐ क्लृप्ताङ्गाय स्वाहा

ॐ लृआसनस्थाय स्वाहा

ॐ लृलृगण्डयुगोज्ज्वलाय स्वा॰

ॐ एणाङ्काय स्वाहा

ॐ अमृतदाय स्वाहा

ॐ चीनपटट्भृते स्वाहा

ॐ बहुशश्वराय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ एकचक्ररथाय स्वाहा

ॐ एकाय स्वाहा

ॐ अनेकचक्षुषे स्वाहा

ॐ एकदेवाय स्वाहा

ॐ एक बीजरमणाय स्वाहा

ॐ ए ऐ ओष्टाय स्वाहा

ॐ अमृताकराय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ वैकर्तनाय स्वाहा[५००]

ॐ कारकारणाय स्वाहा

ॐ ब्रह्मणे स्वाहा

ॐ औकारौचित्यमण्डनाय स्वा॰

ॐ ओऔदन्तालिरञ्जिताय स्वा॰

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ महते स्वाहा
ॐ महतांपतये स्वाहा
ॐ अविद्याभूषणाय स्वाहा
ॐ भूष्याय स्वाहा
ॐ लक्ष्मीशाय स्वाहा
ॐ बीजरूपवते स्वाहा
ॐ अप्स्वरूपाय स्वाहा
ॐ स्वरमयाय स्वाहा
ॐ सर्वस्वरपरात्मकाय स्वाहा
ॐ अं अः स्वरूपमन्त्रङ्गाय स्वा०
ॐ कलिकालनिवर्तकाय स्वा०
ॐ कर्मणे स्वाहा
ॐ एकवरदाय स्वाहा
ॐ कर्मसाक्षिणे स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ कल्मषनाशनाय स्वाहा

ॐ कचध्वंसिने स्वाहा

ॐ कपिलाय स्वाहा

ॐ कनकाचल,चारकाय स्वाहा

ॐ कान्ताय स्वाहा

ॐ कामाय स्वाहा

ॐ कपये स्वाहा

ॐ क्रूराय स्वाहा

ॐ कीर्णाय स्वाहा

ॐ केशिनिसूदनाय स्वाहा

ॐ कृष्णाय स्वाहा

ॐ कपालिने स्वाहा

ॐ कपालमोचकाय स्वाहा

ॐ काशाय स्वाहा

ॐ कश्मीरघन,सारभृते स्वाहा

ॐ कूजत्किन्नरगीतेष्टाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ कुलराजाय स्वाहा
ॐ कुलन्धराय स्वाहा
ॐ कुलवासिने स्वाहा
ॐ कुलकौलेशाय स्वाहा
ॐ ककाराक्षरमण्डनाय स्वाहा
ॐ खवासिने स्वाहा
ॐ खेटकेशाय स्वाहा
ॐ खण्डमुण्डधराय स्वाहा
ॐ खगाय स्वाहा
ॐ खगेश्वराय स्वाहा
ॐ खेचराय स्वाहा
ॐ खेचरीगणसेविताय स्वा॰
ॐ खरांशवे स्वाहा
ॐ खेटकधराय स्वाहा
ॐ खलहस्ताय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ खवर्णाय स्वाहा
ॐ गन्त्रे स्वाहा
ॐ गीतप्रियाय स्वाहा
ॐ गेयाय स्वाहा
ॐ गयावासिने स्वाहा
ॐ गुणाश्रयाय स्वाहा
ॐ गुणतीताय स्वाहा
ॐ गोलोकगतये स्वाहा
ॐ गुच्छलाय स्वाहा
ॐ गुणसेविताय स्वाहा
ॐ गदाधराय स्वाहा
ॐ पद्मधराय स्वाहा
ॐ गाङ्गेयवरप्रदाय स्वाहा
ॐ प्रयोगिने स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ गिङ्गिलाय स्वाहा

ॐ गटिलाय स्वाहा

ॐ गान्ताय स्वाहा

ॐ गकाराक्षरभास्कराय स्वाहा

ॐ घृणिमते स्वाहा

ॐ घुर्घुरारावाय स्वाहा

ॐ घण्टाहस्ताय स्वाहा

ॐ घटाक्षराय स्वाहा

ॐ घनच्छिन्नाय स्वाहा

ॐ घनगतये स्वाहा

ॐ घनवाहनतर्पिताय स्वाहा

ॐ ङान्ताय स्वाहा

ॐ ङेशाय स्वाहा

ॐ ङकाराङ्गाय स्वाहा

ॐ चन्द्रधराय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ अच्युताय स्वाहा

ॐ चम्पकसन्निभाय स्वाहा
ॐ चामीकररुचये स्वाहा
ॐ चण्डभानवे स्वाहा
ॐ चण्डीवल्लभाय स्वाहा
ॐ चञ्चाय स्वाहा
ॐ चकोरकोष्टाय स्वाहा
ॐ चपलाय स्वाहा
ॐ चपलाश्रयाय स्वाहा
ॐ चलत्पताकाय स्वाहा
ॐ चण्डांशवे स्वाहा
ॐ चीवरैकधराय स्वाहा
ॐ चराय स्वाहा
ॐ वर्णभृते स्वाहा
ॐ छत्रभृते स्वाहा
ॐ हलाहते स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ छञ्छाय स्वाहा

ॐ च्छुरिकाच्छिन्नविग्रहाय स्वा॰

ॐ जाम्बूनदाङ्गदाय स्वाहा

ॐ जिनेन्द्राय स्वाहा

ॐ जिनैकवल्लभाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ जम्भारये स्वाहा[६००]

ॐ जघिलाय स्वाहा

ॐ जघिने स्वाहा

ॐ जनोलोकतमोपहाय स्वाहा

ॐ जयकारिणे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ जयहर्त्रे स्वाहा

ॐ जगत्त्रात्रे स्वाहा
ॐ जगध्द्येयाय स्वाहा
ॐ जगन्निधये स्वाहा
ॐ जगत्साक्षिणे स्वाहा
ॐ जगच्चक्षुषे स्वाहा
ॐ जगन्नाथाय स्वाहा
ॐ जिताय स्वाहा
ॐ जकाराकारमुचे स्वाहा
ॐ झञ्झाच्छन्नाकृतये स्वाहा
ॐ झिल्लेश्वराय स्वाहा
ॐ झकारेशाय स्वाहा
ॐ झञाङ्गुलिकराय स्वाहा
ॐ अम्बुजाय स्वाहा
ॐ झञाक्षराञ्जिताय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ झङ्काराय स्वाहा

ॐ टिटिभासन संस्थिताय स्वा०

ॐ टङ्काराय स्वाहा

ॐ टङ्कधारिणे स्वाहा

ॐ ठःस्वरुपाय स्वाहा

ॐ ठधाधिपाय स्वाहा

ॐ डामरवे स्वाहा

ॐ डुमरवे स्वाहा

ॐ डिडुाय स्वाहा

ॐ डामरीशाय स्वाहा

ॐ डाकिनीसेविताय स्वाहा

ॐ डाढचाय स्वाहा

ॐ डढगुल्फाङ्गुलिप्रभाय स्वा०

ॐ वेशप्रियाय स्वाहा

ॐ णवलेशाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ णकारपदपङ्कजाय स्वाहा

ॐ ताराधिपेश्वराय स्वाहा
ॐ तथ्याय स्वाहा
ॐ तन्त्रीवादनतत्पराय स्वाहा
ॐ त्रिपुरीशाय स्वाहा
ॐ त्रिनेत्रेशाय स्वाहा
ॐ त्रयीतनवे स्वाहा
ॐ अधोक्षजाय स्वाहा
ॐ तामसाय स्वाहा
ॐ तामसप्रेष्ठाय स्वाहा
ॐ तमोहर्त्रे स्वाहा
ॐ तमःकर्त्रे स्वाहा
ॐ तन्त्रकार्त्रे स्वाहा
ॐ तमोरूपाय स्वाहा
ॐ तपसःफलदायकाय स्वाहा
ॐ तज्जादिकलनाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ कान्ताय स्वाहा

ॐ तकाराक्षरभूषणाय स्वाहा

ॐ स्थाणवे स्वाहा

ॐ स्थूलस्थिताय स्वाहा

ॐ नित्यस्थविराय स्वाहा

ॐ स्थण्डिलाय स्वाहा

ॐ स्थूलाय स्वाहा

ॐ थकारजानवे स्वाहा

ॐ अध्यात्मने स्वाहा

ॐ देवनायकाय स्वाहा

ॐ दुर्जयाय स्वाहा

ॐ दुःखघ्ने स्वाहा

ॐ दात्रे स्वाहा

ॐ दरिद्रच्छेदनाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ धामिने स्वाहा

ॐ दौर्भाग्यहर्त्रे स्वाहा
ॐ देवेन्द्राय स्वाहा
ॐ द्वादशमुखाय स्वाहा
ॐ अब्जमध्यगाय स्वाहा
ॐ द्वादशान्तकवचमते स्वा॰
ॐ दूराय स्वाहा
ॐ दुरतिक्रमाय स्वाहा
ॐ दुर्ज्ञेयाय स्वाहा
ॐ दुष्टवंशघ्नाय स्वाहा
ॐ दयानाथाय स्वाहा
ॐ दयाकुलाय स्वाहा
ॐ दामोदराय स्वाहा
ॐ दीधितिमते स्वाहा
ॐ दकाराक्षरमातृकाय स्वा॰
ॐ धर्मबन्धवे स्वाहा

CC-0. Gurukul Kangri Collection, Haridwar. Digitized by eGangotri

ॐ धर्मनिधये स्वाहा
ॐ धर्मराजाय स्वाहा
ॐ धनप्रदाय स्वाहा
ॐ धनदेष्टाय स्वाहा
ॐ धनाध्यक्षाय स्वाहा
ॐ धरादर्शनाय स्वाहा
ॐ धुरन्धराय स्वाहा
ॐ धूर्जटिने स्वाहा
ॐ क्षणवासिने स्वाहा
ॐ धर्मक्षेत्राय स्वाहा
ॐ धराधिपाय स्वाहा
ॐ धराधाराय स्वाहा
ॐ धुरीणाय स्वाहा
ॐ धर्मात्मजाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ धर्मवत्सलाय स्वाहा

ॐ धराभृद्वल्लभाय स्वाहा

ॐ धर्मिणे स्वाहा

ॐ धकाराक्षरभूषणाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ नर्मप्रियाय स्वाहा[७००]

ॐ नन्दिरुद्राय स्वाहा

ॐ नेत्रे स्वाहा

ॐ नीतिप्रदाय स्वाहा

ॐ नलिनाय स्वाहा

ॐ नलिनीवल्लभाय स्वाहा

ॐ नुन्नाय स्वाहा

ॐ नाट्यकृते स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Trust. Digitized by eGangotri

ॐ नाटचवर्धनाय स्वाहा
ॐ नरनाथाय स्वाहा
ॐ नृपस्तुत्याय स्वाहा
ॐ नभोगामिने स्वाहा
ॐ नभःप्रियाय स्वाहा
ॐ नभोनन्ताय स्वाहा
ॐ नमितारातये स्वाहा
ॐ नरनारायणाय स्वाहा
ॐ नारायणाय स्वाहा
ॐ नीलरुचे स्वाहा
ॐ नम्राङ्गाय स्वाहा
ॐ नीललोहिताय स्वाहा
ॐ नादरूपिणे स्वाहा
ॐ नादमयाय स्वाहा
ॐ नादबिन्दुस्वरूपकाय स्वाहा

CC-0. Jangamwadi Math Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

ॐ नाथाय स्वाहा
ॐ नागपतये स्वाहा
ॐ नागाय स्वाहा
ॐ नागराजाश्रिताय स्वाहा
ॐ नाकस्थिताय स्वाहा
ॐ अनेकवपुषे स्वाहा
ॐ नकाराक्षरमातृकाय स्वाहा
ॐ पद्माशयाय स्वाहा
ॐ परस्मैज्योतिषे स्वाहा
ॐ पीवरास्याय स्वाहा
ॐ पटेश्वराय स्वाहा
ॐ प्रीतिप्रियाय स्वाहा
ॐ प्रेमकराय स्वाहा
ॐ प्रणतार्तिभयापहाय स्वाहा
ॐ परित्रात्रे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Trust. Digitized by eGangotri

ॐ परंध्वंसिने स्वाहा
ॐ पराराये स्वाहा
ॐ पुरसंस्थिताय स्वाहा
ॐ पूर्णानन्दमयाय स्वाहा
ॐ पूर्णतेजसे स्वाहा
ॐ पूर्णेश्वरेश्वराय स्वाहा
ॐ पाटलवर्णाय स्वाहा
ॐ पटिम्ने स्वाहा
ॐ पाटलेशाय स्वाहा
ॐ परात्मवते स्वाहा
ॐ परमेशवपुषे स्वाहा
ॐ प्रांशवे स्वाहा
ॐ प्रमत्ताय स्वाहा
ॐ प्रणतेष्टदाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ अपारपारदाय स्वाहा

ॐ पीनाय स्वाहा

ॐ पीताम्बरप्रियाय स्वाहा

ॐ पावकाय स्वाहा

ॐ पचनाय स्वाहा

ॐ पिचुलाय स्वाहा

ॐ प्लुष्टाय स्वाहा

ॐ प्रेमदाय स्वाहा

ॐ जनसौख्यदाय स्वाहा

ॐ प्रमोदिने स्वाहा

ॐ प्रतिपक्षघ्नाय स्वाहा

ॐ पकाराक्षरमातृकाय स्वा॰

ॐ फलाय स्वाहा

ॐ भोगापवर्गसुफलिनीशाय स्वा॰

ॐ फलात्मकाय स्वाहा

ॐ फुल्लदम्भोजमध्यस्थाय स्वा॰

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ फुल्लदम्भोजधाराय स्वाहा
ॐ स्फुटद्युतये स्वाहा
ॐ स्फुटाकाराय स्वाहा
ॐ स्फुटिकाचलचारकाय स्वा॰
ॐ स्फूर्जत्किरणमालिने स्वा॰
ॐ फकाराक्षरपार्श्वकाय स्वा॰
ॐ बालाय स्वाहा
ॐ बालप्रियाय स्वाहा
ॐ बान्ताय स्वाहा
ॐ बालध्वान्तहराय स्वाहा
ॐ बलिने स्वाहा
ॐ बलादये स्वाहा
ॐ बर्बरध्वंसिने स्वाहा
ॐ बर्बरामृतपानकाय स्वा॰
ॐ बुधाय स्वाहा
CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri
ॐ बृहस्पतये स्वाहा

ॐ वृक्षाय स्वाहा
ॐ बृहदश्वाय स्वाहा
ॐ बृहद्रतये स्वाहा
ॐ बृहत्पृष्ठाय स्वाहा
ॐ भीमरूपाय स्वाहा
ॐ भयापहाय स्वाहा
ॐ भिदुरप्रियाय स्वाहा
ॐ भर्गाय स्वाहा
ॐ भृगवे स्वाहा
ॐ भृगुस्थायिने स्वाहा
ॐ भार्गवाय स्वाहा
ॐ कवये स्वाहा
ॐ शेखराय स्वाहा
ॐ भाग्यदाय स्वाहा
ॐ भानवे स्वाहा
ॐ दीप्ताङ्गाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ भनाभये स्वाहा[८००]

ॐ स्वाहाभमातृकाय स्वाहा
ॐ महाकालाय स्वाहा
ॐ महाध्यक्षाय स्वाहा
ॐ महानादाय स्वाहा
ॐ महामतये स्वाहा
ॐ महोज्ज्वलाय स्वाहा
ॐ मनोहारिणे स्वाहा
ॐ मनोगामिने स्वाहा
ॐ मनोभवाय स्वाहा
ॐ मानदाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Trust. Digitized by eGangotri

ॐ मल्लघ्ने स्वाहा

ॐ मल्लाय स्वाहा

ॐ मेरुमन्दिरमन्दाराय स्वाहा

ॐ मन्दारमालाभरणाय स्वाहा

ॐ माननीयाय स्वाहा

ॐ मनोभयाय स्वाहा

ॐ मोदिताय स्वाहा

ॐ सवित्रे स्वाहा

ॐ मार्तण्डाय स्वाहा

ॐ मुण्डमण्डिताय स्वाहा

ॐ महावराहाय स्वाहा

ॐ मीनेशाय स्वाहा

ॐ मेषगाय स्वाहा

ॐ मिथुनेष्टदाय स्वाहा

ॐ मदालसाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ अमरस्तुत्याय स्वाहा
ॐ सुरारये स्वाहा
ॐ वरदाय स्वाहा
ॐ माधवाय स्वाहा
ॐ मेदिनीशाय स्वाहा
ॐ मधुकैटभनाशनाय स्वाहा
ॐ माल्यवते स्वाहा
ॐ मेधनाय स्वाहा
ॐ माराय स्वाहा
ॐ मेधाविने स्वाहा
ॐ मुसलायुधाय स्वाहा
ॐ मुकुन्दाय स्वाहा
ॐ सुरारिघ्ने स्वाहा
ॐ सराशिफलदाय स्वाहा
ॐ मदाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ मदनाय स्वाहा

ॐ मोदकाहाराय स्वाहा

ॐ मकाराक्षरमातृकाय स्वाहा

ॐ यज्वने स्वाहा

ॐ यज्ञेश्वराय स्वाहा

ॐ यन्ताय स्वाहा

ॐ योगिनांहृदयस्थिताय स्वाहा

ॐ यात्रिकाय स्वाहा

ॐ यज्ञफलदाय स्वाहा

ॐ यज्ञिने स्वाहा

ॐ यमलनायकाय स्वाहा

ॐ योगनिद्राप्रियाय स्वाहा

ॐ योगकारणाय स्वाहा

ॐ योगवत्सलाय स्वाहा

ॐ यष्टिधारिणे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ यन्त्रेशाय स्वाहा
ॐ व्योममण्डलमध्यगाय स्वा०
ॐ युयुत्सवे स्वाहा
ॐ जयदाय स्वाहा
ॐ योगाय स्वाहा
ॐ योगधर्मानुर्वतकाय स्वाहा
ॐ योगिनीचक्रमध्यगाय स्वाहा
ॐ योगीश्वरपूजिताय स्वाहा
ॐ यान्ताय स्वाहा
ॐ यक्षैकतिलकाय स्वाहा
ॐ यक्षराक्षसभूषणाय स्वाहा
ॐ रामाय स्वाहा
ॐ रमणशीलाय स्वाहा
ॐ रत्नभानवे वाह
ॐ रतप्रियाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ रत्नमौलये स्वाहा
ॐ रत्नतुङ्गाय स्वाहा
ॐ रत्नपीठान्तरस्थाय स्वाहा
ॐ रत्नांशुमाल्याय स्वाहा
ॐ रत्नाढचाय स्वाहा
ॐ रत्नकङ्कणनूपुराढचाय स्वा०
ॐ रत्नङ्गदलसद्बाहवे स्वाहा
ॐ रत्नपादुकमण्डिताय स्वाहा
ॐ राहिण्याश्रयाय स्वाहा
ॐ रक्षाकराय स्वाहा
ॐ रात्रिज्वरान्तकाय स्वाहा
ॐ रकाराक्षररूपाय स्वाहा
ॐ लज्जाबीजाश्रिताय स्वाहा
ॐ लवाय स्वाहा
ॐ लक्ष्मीभामवे स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ लतावासिने स्वाहा
ॐ लसत्कान्तये स्वाहा
ॐ लोकभृते स्वाहा
ॐ लोकातङ्कहराय स्वाहा
ॐ लासावल्लभाय स्वाहा
ॐ लोमशाय स्वाहा
ॐ अलिगाय स्वाहा
ॐ लिङ्गेश्वराय स्वाहा
ॐ लिङ्गनादाय स्वाहा
ॐ लीलाकारिणे स्वाहा
ॐ ललम्भसाय स्वाहा
ॐ लक्ष्मीवते स्वाहा
ॐ लोकविध्वंसिने स्वाहा
ॐ लकाराक्षरभूषणाय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ वामनाय स्वाहा[१००]

ॐ वीरवीरेन्द्राय स्वाहा
ॐ वाचालाय स्वाहा
ॐ वाक्पतिप्रियाय स्वाहा
ॐ वाचामगोचराय स्वाहा
ॐ वार्ताय स्वाहा
ॐ वीणायै स्वाहा
ॐ वेणुधराय स्वाहा
ॐ वराय स्वाहा
ॐ वाग्भवाय स्वाहा
ॐ बालिशध्वंसिने स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ विद्यानकाय स्वाहा

ॐ कनकाय स्वाहा

ॐ वकारमातृकामौलये स्वाहा

ॐ शाम्भवेष्टप्रदाय स्वाहा

ॐ शुकाय स्वाहा

ॐ शशिने स्वाहा

ॐ शोभकराय स्वाहा

ॐ शान्ताय स्वाहा

ॐ शान्तिकृते स्वाहा

ॐ शमनप्रियाय स्वाहा

ॐ शुभङ्कराय स्वाहा

ॐ शुक्लवस्त्राय स्वाहा

ॐ श्रीपतये स्वाहा

ॐ श्रीयुताय स्वाहा

ॐ श्रुताय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ श्रुतगम्याय स्वाहा
ॐ शरद्बीजमण्डिताय स्वा०
ॐ शिष्टसेविताय स्वाहा
ॐ शिष्टाचाराय स्वाहा
ॐ शुभाचाराय स्वाहा
ॐ शेषाय स्वाहा
ॐ शेवालताडनाय स्वाहा
ॐ शिपिविष्टाय स्वाहा
ॐ शिवाय स्वाहा
ॐ शुक्लाय स्वाहा
ॐ सेव्याय स्वाहा
ॐ शाक्षरमातृकाय स्वाहा
ॐ षडाननाय स्वाहा
ॐ षङ्कारकाय स्वाहा
ॐ षोडशसुरभूषिताय स्वा०

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ षड्पदस्वनतोषिणे स्वाहा
ॐ षडाम्नायप्रवर्तकाय स्वाहा
ॐ षड्रसास्वाद सन्तुष्टाय स्वा॰
ॐ षकाराक्षरमातृकाय स्वाहा
ॐ सूर्य बिन्दवे स्वाहा
ॐ सुखाकराय स्वाहा
ॐ समस्तसाधकेशाय स्वाहा
ॐ समस्त कुलशेखराय स्वाहा
ॐ सुरसूर्याय स्वाहा
ॐ स्वधासूर्याय स्वाहा
ॐ स्वसूर्याय स्वाहा
ॐ साक्षरेशाय स्वाहा
ॐ हरित्सूर्याय स्वाहा
ॐ हरिद्भानवे स्वाहा
ॐ हव्यैकभुजे स्वाहा

CC-0. Dr. Devi Nath Sharma Collection. Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ हव्यवाहनाय स्वाहा

ॐ हालासूर्याय स्वाहा

ॐ सोम सूर्याय स्वाहा

ॐ हुत सूर्याय स्वाहा

ॐ हरिसूर्याय स्वाहा

ॐ ह्रां सूर्यबीजाय स्वाहा

ॐ ह्री सूर्याय स्वाहा

ॐ हकाराक्षरमातृकाय स्वाहा

ॐ लंबीजमण्डिताय स्वाहा

ॐ सूर्याय स्वाहा

ॐ क्षोणी सूर्याय स्वाहा

ॐ क्षमापतये स्वाहा

ॐ क्षुत्सूर्याय स्वाहा

ॐ क्षान्तसूर्याय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ लक्ष्यसूर्याय स्वाहा
ॐ सदाशिवाय स्वाहा
ॐ अकारसूर्याय स्वाहा
ॐ क्षःसूर्याय स्वाहा
ॐ सर्वसूर्याय स्वाहा
ॐ कृपानिधये स्वाहा
ॐ भूःसूर्याय स्वाहा
ॐ भुवःसूर्याय स्वाहा
ॐ स्वःसूर्याय स्वाहा
ॐ सूर्यानायकाय स्वाहा
ॐ ग्रहसूर्याय स्वाहा
ॐ ऋक्षसूर्याय स्वाहा
ॐ लग्नसूर्याय स्वाहा
ॐ महेश्वराय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ राशिसूर्याय स्वाहा

ॐ योगसूर्याय स्वाहा

ॐ मन्त्रसूर्याय स्वाहा

ॐ अनुत्तमाय स्वाहा

ॐ तत्वसूर्याय स्वाहा

ॐ परासूर्याय स्वाहा

ॐ विष्णुसूर्याय स्वाहा

ॐ प्रतापवते स्वाहा

ॐ रुद्रसूर्याय स्वाहा

ॐ ब्रह्मसूर्याय स्वाहा

ॐ वीरसूर्याय स्वाहा

ॐ वरोत्तमाय स्वाहा

ॐ धर्मसूर्याय स्वाहा

ॐ कर्मसूर्याय स्वाहा

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

ॐ विश्वसूर्याय स्वाहा

ॐ वीनायकाय स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ भुक्तिमुक्तिलक्ष्मीसुखदाय
स्वाहा[१०००]

इति सूर्यसहस्त्रनामावली समाप्ता।।

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

# विजयेश्वर-ज्योतिष कार्यालय से छपी पुस्तकें मिलने के पते :-

1. विजयेश्वर धार्मिक पुस्तक भण्डार
तालाब तिलो जम्मू

2. जे. के. बुक शाप
तालाब तिलो जम्मू

3. भसीन स्टेशनरी स्टोर
पक्का-ढंगा जम्मू

4. यूनिवर्सल निवज़ एज़न्सी
उधमपुर - जम्मू

5. देहली में
तनेजा एलकट्रिक्लज़ एण्ड टय्ट हाऊस
रघुनाथ बाजार अमरकालोनी
लाजपतनगर-देहली - 6429046
शाप नं. 45 ब्रह्मपुत्र शापिंग कम्पलेक्स
सैक्टर - 29 नयोडा - देहली

CC-0. Omkar Nath Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri